

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

मुद्रि पत्र

दिनांक 16 मार्च, 1978

क्रमांक 553-ज(II)-78/10427.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना क्रमांक 3099-ज(II)-77/3242, दिनांक 1 फरवरी, 1978 (जो कि हरियाणा सरकार के राजपत्र, दिनांक 14 फरवरी, 1978 में प्रकाशित हुई है), के क्रमांक संख्या 1 के कालम 4 में गांव का नाम दमदमा की बजाये दमदमा पड़ा जाए।

क्रमांक 429-ज(II)-78/10432.—जुर्गे रंजिव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके सामने दी गई कसल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	कसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
क्षेत्र						
1	गुड़गांव	श्रीमती कड़ीया देवी, विधवा श्री मोहर सिंह	झानी चितरसेन (बोहड़ा कला)	गुड़गांव	रबी, 1976 से	150
2	"	श्रीमती भगवानी देवी, विधवा श्री शेर सिंह	फरख नगर	"	बरीक, 1965 से रबी, 1970 तक बरीक, 1970 से	100 150
3	"	श्रीमती भोगड़ी देवी, विधवा श्री कन्हैया लाल	हलियाकी	"	बरीक, 1965 से रबी, 1970 तक बरीक, 1970 से	100 150
4	"	श्री धामी चन्द्र, पुत्र श्री लखी सिंह	धामडोज	"	बरीक, 1976 से	150

क्रमांक 527-ज(I) 78/10435.—जुर्गे रंजिव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके सामने दी गई कसल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	कसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
क्षेत्र						
1	अम्बाला	श्री इगनी राम, पुत्र श्री लालू	नमदापुर	जगाधरी	रबी, 1973 से	150

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
2	अम्बाला	श्री गुलशन सिंह, पुत्र श्री जेमल सिंह	तलहेडी गुजरान	अम्बाला	रबी, 1973 से	रुपये 150
3	"	श्री साधू सिंह, पुत्र श्री हीरा सिंह	रामगढ़	नारायणगढ़	रबी, 1973 से	150
4	"	श्री ज्ञान सिंह, पुत्र श्री नानक सिंह	नसरीली	"	रबी, 1973 से	150
5	"	श्री बरयाम सिंह, पुत्र श्री नानक सिंह	खानपुर लुबाना	"	रबी, 1973 से	150

दिनांक 11 अप्रैल, 1978

क्रमांक 431-ज(II)-78/10596.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती अनोखी देवी, विधवा श्री गान सिंह, गांव भोंडसी, तहसील व जिला गुड़गावां, को रबी, 1976 से 200 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 433-ज(II)-78/10600.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती मिश्री देवी, विधवा श्री हीरा लाल, गांव पंचगावा, तहसील व जिला गुड़गावां, को रबी, 1977 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 567-ज(II)-78/10604.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री रघुबीर सिंह, पुत्र श्री तेज सिंह, गांव मन्दपुरा, तहसील व जिला गुड़गावां, को रबी, 1973 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 432-ज(II)-78/10608.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती मुरजी बाई, विधवा श्री छोटन सिंह, गांव तरहेड़ा, तहसील व जिला गुड़गावां, को खरीफ, 1975 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 555-ज(I)-78/10615.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, की युद्ध जागीर अधिसूचना क्रमांक 41-ज(I)-78/4313, दिनांक 10 फरवरी, 1978, जो कि हरियाणा राजपत्र दिनांक 21 फरवरी, 1978 में मुद्रित की गई है, की तीसरी लाइन में गांव का नाम "कांवना" की बजाए "कांवला" पढ़ा जाये।

आर० एन० सिंगल,

विशेष कार्य अधिकारी, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।